Gen

Chapter 45

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1

וְלֹא־	יָכֹל	יוֹסֵף	לְהִתְאַפֵּק	לְכֹל	הַנִּצָּבִים	עָלָיו	וַיִּקְרָא	הוֹצִיאוּ	כָל־
और-नहीं	सका	यूसुफ़	रोकना	सब-के-लिए	खड़े-हुए	उसके-पास	और-पुकारा	निकालो	सब
H3808	H3201	H3130	H0662	H3605	H5324		H7121	H3318	H3605

אִישׁ	מֵעָלָי	וְלֹא־	עָמַד	אִישׁ	אִתּוֹ	בְּהִתְוַדַּע	יוֹסֵף	אֶל־	אֶחָיו׃
मनुष्य-को	मेरे-पास-से	और-नहीं	खड़ा-रहा	मनुष्य	उसके-साथ	जब-पहचान-दी	यूसुफ़-ने	को	भाइयों-अपने
H0376		H3808	H5975	H0376	H0854	H3045	H3130	H0413	H0251

यूसुफ अपने को और अधिक न संभाल सका। वह वहाँ उपस्थित सभी लोगों के सामने हो पड़ा। यूसुफ ने कहा, “हर एक से कहो कि यहाँ से हट जाए।” इसलिए सभी लोग चले गये। केवल उसके भाई ही यूसुफ के साथ रह गए। तब यूसुफ ने उन्हें बताया कि वह कौन है।

2

וַיִּתֵּן	אֶת־	קֹלוֹ	בִּבְכִי	וַיִּשְׁמְעוּ	מִצְרַיִם	וַיִּשְׁמַע	בֵּית	פַּרְעֹה׃
और-उठाई	को	आवाज़-अपनी	रोने-में	और-सुना	मिस्र-ने	और-सुना	घर-ने	फ़िरौन-के
H5414	H0853		H1065	H8085	H4713	H8085		H6547

यूसुफ रोता रहा, और फ़िरौन के महल के सभी मिस्री व्यक्तियों ने सुना।

3

וַיֹּאמֶר	יוֹסֵף	אֶל־	אֶחָיו	אֲנִי	יוֹסֵף	הַעוֹד	אָבִי	חָי	וְלֹא־	יָכְלוּ
और-कहा	यूसुफ़-ने	से	भाइयों-अपने	मैं-हूँ	यूसुफ़	क्या-अभी-तक	पिता-मेरा	जीवित-है	और-नहीं	सके
H0559	H3130	H0413	H0251	H0589	H3130	H5750	H0001		H3808	H3201

אֶחָיו	לַעֲנוֹת	אֹתוֹ	כִּי	נִבְהֲלוּ	מִפָּנָיו׃
भाई-उसके	उत्तर-देना	उसे	क्योंकि	घबरा-गए-थे	सामने-से-उसके
H0251		H0853		H0926	H6440

यूसुफ ने अपने भाईयों से कहा, “मैं आप लोगों का भाई यूसुफ हूँ। क्या मेरे पिता सकुशल हैं?” किन्तु भाईयों ने उसको उत्तर नहीं दिया। वे डरे हुए तथा उलझान में थे।

4

וַיֹּאמֶר	יוֹסֵף	אֶל־	אֶחָיו	גְּשׁוּ־	נָא	אֵלַי	וַיִּגְּשׁוּ	וַיֹּאמֶר	אֲנִי	יוֹסֵף
और-कहा	यूसुफ़-ने	से	भाइयों-अपने	पास-आओ	कृपया	मेरे-पास	और-पास-आए	और-कहा	मैं-हूँ	यूसुफ़
H0559	H3130	H0413	H0251	H5066	H4994	H0413	H5066	H0559	H0589	H3130

אֲחִיכֶם	אֲשֶׁר־	מְכַרְתֶּם	אֹתִי	מִצְרָיְמָה׃
भाई-तुम्हारा	जिसे	बेचा-तुमने	मुझे	मिस्र-को
H0251		H4376	H0853	H4714

इसलिए यूसुफ ने अपने भाईयों से फिर कहा, “मेरे पास आओ।” इसलिए यूसुफ के भाई निकट गए और यूसुफ ने उनसे कहा, “मैं आप लोगों का भाई यूसुफ हूँ। मैं वहीं हूँ जिसे मिस्रियों के हाथ आप लोगों ने दास के रूप में बेचा था।

5

וְעַתָּה	אַל־	תֵּעָצְבוּ	וְאַל־	יִחַר	בְּעֵינֵיכֶם	כִּי־	מְכַרְתֶּם	אֹתִי	הֵנָּה	כִּי
और-अब	न	उदास-हो	और-न	जले	आँखों-में-तुम्हारी	कि	बेचा-तुमने	मुझे	यहाँ	क्योंकि
H6258	H0408		H0408	H2734			H4376	H0853	H2008	

לְמִחְיָה	שְׁלָחַנִי	אֱלֹהִים	לִפְנֵיכֶם׃
जीवन-के-लिए	भेजा-मुझे	परमेश्वर-ने	आगे-तुम्हारे
H4241	H7971	H0430	H6440

अब परेशान न हों। आप लोग अपने किए हुए के लिए स्वयं भी पश्चाताप न करें। वह तो मेरे लिए परमेश्वर की योजना थी कि मैं यहाँ आऊँ। मैं यहाँ तुम लोगों का जीवन बचाने के लिए आया हूँ।

6

חָרִישׁ	אֵין־	אֲשֶׁר	שָׁנִים	חָמֵשׁ	וְעוֹד	הָאָרֶץ	בַּקָּרֶב	הָרָעָב	שְׁנָתַיִם	זֶה	כִּי־
जोताई	नहीं-है	जिनमें	साल	पाँच	और-अभी	भूमि-के	बीच-में	अकाल	दो-साल	यह	क्योंकि
H2758	H0369		H8141	H2568	H5750	H0776	H7130	H7458	H8141	H2088	

וְקָצִיר׃
और-कटाई

यह भयंकर भूखमरी का समय दो वर्ष ही अभी बीता है और अभी पाँच वर्ष बिना पौधे रोपने या उपज के आएँगे।

7

לָכֶם	וּלְהַחֲיוֹת	בָּאָרֶץ	שְׁאֵרִית	לָכֶם	לָשִׂוּם	לִפְנֵיכֶם	אֱלֹהִים	וַיִּשְׁלָחֵנִי
तुम्हें	और-जिलाने-के-लिए	भूमि-में	बचे-हुए	तुम्हें	रखने-के-लिए	आगे-तुम्हारे	परमेश्वर-ने	और-भेजा-मुझे
	H2421	H0776	H7611			H6440	H0430	H7971

גְּדֹלָה׃	לִפְלֵיטָה
बड़े	बचाव-के-लिए
	H6413

इसलिए परमेश्वर ने तुम लोगों से पहले मुझे यहाँ भेजा जिससे मैं इस देश में तुम लोगों को बचा सकूँ।

8

לְאָב	וַיְשִׂימֵנִי	הָאֱלֹהִים	כִּי	הֵנָּה	אֹתִי	שְׁלַחְתֶּם	אַתֶּם	לֹא־	וְעַתָּה
पिता-के-रूप-में	और-रखा-मुझे	परमेश्वर-ने	बल्कि	यहाँ	मुझे	भेजा	तुमने	नहीं	और-अब
H0001		H0430		H2008	H0853	H7971		H3808	H6258

מִצְרָיִם׃	אֶרֶץ	בְּכָל־	וּמֹשֵׁל	בֵּיתוֹ	לְכָל־	וּלְאָדוֹן	לְפַרְעֹה
मिस्र-के	देश	सब-पर	और-शासक-के-रूप-में	घर-के-उसके	सब-के	और-स्वामी-के-रूप-में	फ़िरौन-के-लिए
H4714	H0776	H3605	H4910		H3605	H0113	H6547

यह आप लोगों का दोष नहीं था कि मैं यहाँ भेजा गया। वह परमेश्वर की योजना थी। परमेश्वर ने मुझे फ़िरौन के पिता सदृश बनाया। ताकि मैं उसके सारे घर और सारे मिस्र का शासक रहूँ।"

9

יוֹסֵף	בִּנְךָ	אָמַר	כֹּה	אֵלָיו	וַאֲמַרְתָּם	אָבִי	אֶל־	וַעֲלוּ	מַהֲרוּ
यूसुफ़-ने	बेटे-ने-तेरे	कहा	ऐसा	उससे	और-कहना	पिता-के-मेरे	की-ओर	और-चढ़-जाओ	जल्दी-करो
H3130		H0559	H3541	H0413	H0559	H0001	H0413	H5927	

תַּעֲמֹד׃	אַל־	אֵלַי	רְדָה	מִצְרָיִם	לְכָל־	לְאָדוֹן	אֱלֹהִים	שָׂמַנִי
ठहरो	न	मेरे-पास	उतर-आओ	मिस्र-पर	सब-के	स्वामी-के-रूप-में	परमेश्वर-ने	रखा-मुझे
H5975	H0408	H0413	H3381	H4714	H3605	H0113	H0430	

यूसुफ ने कहा, "इसलिए जल्दी मेरे पिता के पास जाओ। मेरे पिता से कहो कि उसके पुत्र यूसुफ ने यह सन्देश भेजा है: 'परमेश्वर ने मुझे पूरे मिस्र का शासक बनाया है। मेरे पास आइये। प्रतीक्षा न करें। अभी आएँ।

10

וּבְנֵי	וּבְנֶיךָ	אַתָּה	אֵלַי	קָרוֹב	וְהָיִיתָ	גֹּשֶׁן	בְּאֶרֶץ־	וְיָשַׁבְתָּ
और-बेटे-के	और-बेटे-तुम्हारे	तुम	मेरे	पास	और-होगे-तुम	गोशेन-के	देश-में	और-बसोगे-तुम
			H0413	H7138	H1961	H1657	H0776	H3427

לָךְ׃	אֲשֶׁר־	וְכָל־	וּבְקָרְךָ	וְצֹאנְךָ	בָּנֶיךָ
तुम्हारा-है	जो	और-सब	और-गायें-तुम्हारी	और-भेड़ें-तुम्हारी	बेटों-के-तुम्हारे
		H3605	H1241	H6629	

आप मेरे निकट गीरोत प्रदेश में रहेंगे। आपका, आपके पुत्रों का, आपके सभी जानवरों एवं झुण्डों का यहाँ स्वागत है।

11

אַתָּה	תִּוָּרֵשׁ	פֶּן־	רָעָב	שָׁנִים	חָמֵשׁ	עוֹד	כִּי־	שָׁם	אֹתְךָ	וְכִלְכַּלְתִּי
तुम	ग़रीब-हो-जाओ	कहीं	अकाल	साल	पाँच	अभी	क्योंकि	वहाँ	तुम्हें	और-पालूँगा-मैं
	H3423	H6435	H7458	H8141	H2568	H5750		H8033	H0853	H3557

לָךְ׃	אֲשֶׁר־	וְכָל־	וּבֵיתְךָ
तुम्हारा-है	जो	और-सब	और-घर-तुम्हारा
		H3605	

भुखमरी के अगले पाँच वर्षों में मैं आपका देखभाल करुँगा। इस प्रकार आपके और आपके परिवार की जो चीज़ें हैं उनसे आपको हाथ धोना नहीं पड़ेगा।'

12

וְהִנֵּה	עֵינֵיכֶם	רֹאוֹת	וְעֵינֵי	אָחִי	בִנְיָמִין	כִּי־	פִּי	הַמְדַבֵּר	אֲלֵיכֶם׃
और-देखो	आँखें-तुम्हारी	देख-रही-हैं	और-आँखें	भाई-की-मेरे	बिन्यामीन-की	कि	मुँह	बोल-रहा-है	तुमसे
H2009		H7200		H0251	H1144		H6310	H1696	H0413

“यूसुफ अपने भाईयों से बात करता रहा। उसने कहा, “अब आप लोग देखते हैं कि यह सचमुच मैं ही हूँ, और आप लोगों का भाई बिन्यामीन जानता है कि यह मैं हूँ। मैं आप लोगों का भाई आप लोगों से बात कर रहा हूँ।

13

וְהִגַּדְתֶּם	לְאָבִי	אֶת־	כָּל־	כְּבוֹדִי	בְּמִצְרַיִם	וְאֵת	כָּל־	אֲשֶׁר	רְאִיתֶם
और-बताना	पिता-को-मेरे	को	सब	वैभव-मेरा	मिस्र-में	और	सब	जो	देखा-तुमने
H5046	H0001	H0853	H3605	H3519	H4714	H0853	H3605		H7200

וּמְהַרְתֶּם	וְהוֹרַדְתֶּם	אֶת־	אָבִי	הֵנָּה׃
और-जल्दी-करना	और-ले-आना	को	पिता-को-मेरे	यहाँ
	H3381	H0853	H0001	H2008

इसलिए मेरे पिता से मेरी मिस्र की अत्याधिक सम्पत्ति के बारे में कहें। आप लोगों ने जो यहाँ देखा है उस हर एक चीज़ के बारे में मेरे पिता को बताएं। अब जल्दी करो और मेरे पिता को लेकर मेरे पास लौटो।”

14

וַיִּפֹּל	עַל־	צַוְּארֵי	בִנְיָמִן־	אָחִיו	וַיֵּבְךְּ	וּבִנְיָמִן	בָּכָה	עַל־	צַוָּארָיו׃
और-गिरा	पर	गर्दन	बिन्यामीन-की	भाई-अपने	और-रोया	और-बिन्यामीन-ने	रोया	पर	गर्दन-उसकी
H5307			H1144	H0251	H1058	H1144	H1058		

तब यूसुफ ने अपने भाई बिन्यामीन को गले लगाया और हो पड़ा और बिन्यामीन भी हो पड़ा।

15

וַיְנַשֵּׁק	לְכָל־	אֶחָיו	וַיֵּבְךְּ	עֲלֵיהֶם	וְאַחֲרֵי	כֵּן	דִּבְּרוּ	אֶחָיו	אִתּוֹ׃
और-चूमा	सब-को	भाइयों-अपने	और-रोया	उन-पर	और-बाद-में	इसके	बोले	भाई-उसके	उससे
	H3605	H0251	H1058				H1696	H0251	H0854

तब यूसुफ ने सभी भाईयों को चूमा और उनके लिए रो पड़ा। इसके बाद भाई उसके साथ बातें करने लगे।

16

וְהַקֹּל	נִשְׁמַע	בֵּית	פַּרְעֹה	לֵאמֹר	בָּאוּ	אֲחֵי	יוֹסֵף	וַיִּיטַב	בְּעֵינֵי
और-ख़बर	सुनी-गई	घर-में	फ़िरौन-के	कहते-हुए	आए	भाई	यूसुफ़-के	और-अच्छा-लगा	आँखों-में
	H8085		H6547	H0559	H0935	H0251	H3130	H3190	

פַּרְעֹה	וּבְעֵינֵי	עֲבָדָיו׃
फ़िरौन-की	और-आँखों-में	दासों-के-उसके
H6547		H5650

फ़िरौन को पता लगा कि यूसुफ के भाई उसके पास आए हैं। यह खबर फ़िरौन के पूरे महल में फैल गई। फ़िरौन और उसके सेवक इस बारे में बहुत प्रसन्न हुए।

17

וַיֹּאמֶר	פַּרְעֹה	אֶל־	יוֹסֵף	אֱמֹר	אֶל־	אַחֶיךָ	זֹאת	עֲשׂוּ	טַעֲנוּ
और-कहा	फ़िरौन-ने	से	यूसुफ़-से	कहो	से	भाइयों-अपने	यह	करो	लादो
H0559	H6547	H0413	H3130	H0559	H0413	H0251	H2063		H2943

אֶת־	בְּעִירְכֶם	וּלְכוּ־	בָּאוּ	אַרְצָה	כְּנָעַן׃
को	जानवरों-पर-अपने	और-जाओ	आओ	देश	कनान-के
H0853	H1165	H3212	H0935	H0776	

इसलिए फ़िरौन ने यूसुफ से कहा, “अपने भाईयों से कहो कि उन्हें जितना भोजन चाहिए, लें और कनान देश को लौट जाए।

18

וּקְחוּ	אֶת־	אֲבִיכֶם	וְאֶת־	בָּתֵּיכֶם	וּבֹאוּ	אֵלַי	וְאֶתְּנָה	לָכֶם	אֶת־	טוּב	אֶרֶץ	מִצְרַיִם	וְאֹכְלוּ	אֶת־	חֵלֶב	הָאָרֶץ׃
और-लो	को	पिता-अपने	और	घरों-अपने	और-आओ	मेरे-पास	और-दूँगा	तुम्हें	को	अच्छाई	देश	मिस्र-के	और-खाओगे-तुम	को	मलाई	भूमि-की
H3947	H0853	H0001	H0853		H0935	H0413	H5414		H0853	H2898	H0776	H4714	H0398	H0853	H2459	H0776

अपने भाईयों से कहो कि वे अपने पिता और अपने परिवारों को लेकर यहाँ मेरे पास आए। मैं तुम्हें जीविका के लिए मिस्र में सबसे अच्छी भूमि दूँगा और तुम्हारा परिवार सबसे अच्छा भोजन करेगा जो हमारे पास यहाँ है।

19

וְאַתָּה	צֻוִּיתָה	זֹאת	עֲשׂוּ	קְחוּ־	לָכֶם	מֵאֶרֶץ	מִצְרַיִם	עֲגָלוֹת
और-तुम	आज्ञा-दिए-गए-हो	यह	करो	लो	अपने-लिए	देश-से	मिस्र-के	गाड़ियाँ
	H6680	H2063		H3947		H0776	H4714	H5699

לְטַפְּכֶם	וְלִנְשֵׁיכֶם	וּנְשָׂאתֶם	אֶת־	אֲבִיכֶם	וּבָאתֶם׃
बच्चों-के-लिए-तुम्हारे	और-पत्नियों-के-लिए-तुम्हारी	और-उठाना	को	पिता-अपने	और-आना
H2945	H0802	H5375	H0853	H0001	H0935

तब फ़िरौन ने कहा, “हमारी सबसे अच्छी गाड़ियों में से कुछ अपने भाईयों को दो। उन्हें कनान जाने और गाड़ियों में अपने पिता, स्त्रियों और बच्चों को यहाँ लाने को कहो।

20

וְעֵינְכֶם	אַל־	תָּחֹס	עַל־	כְּלֵיכֶם	כִּי־	טוּב	כָּל־	אֶרֶץ	מִצְרַיִם	לָכֶם
और-आँख-तुम्हारी	न	तरसे	पर	सामान-तुम्हारे	क्योंकि	अच्छाई	सब-की	देश	मिस्र-के	तुम्हारे-लिए
	H0408	H2347		H3627		H2898	H3605	H0776	H4714	

הִוא׃
है
H1931

उनकी कोई भी चीज़ यहाँ लाने की चिन्ता न करो। हम उन्हें मिस्र में जो कुछ सबसे अच्छा है, देंगे।”

21

וַיַּעֲשׂוּ־	כֵן	בְּנֵי	יִשְׂרָאֵל	וַיִּתֵּן	לָהֶם	יוֹסֵף	עֲגָלוֹת	עַל־	פִּי	פַרְעֹה
और-किया	ऐसा	बेटों-ने	इस्राएल-के	और-दिया	उन्हें	यूसुफ़-ने	गाड़ियाँ	पर	आज्ञा	फ़िरौन-की
			H3478	H5414		H3130	H5699		H6310	H6547

וַיִּתֵּן	לָהֶם	צֵדָה	לַדָּרֶךְ׃
और-दिया	उन्हें	सामान	रास्ते-के-लिए
H5414		H6720	H1870

इसलिए इस्राएल के पुत्रों ने यही किया। यूसुफ ने फ़िरौन के वचन के अनुसार अच्छी गाड़ियाँ दी और यूसुफ ने यात्रा के लिए उन्हें भरपूर भोजन दिया।

22

לְכֻלָּם	נָתַן	לְאִישׁ	חֲלִפּוֹת	שְׂמָלֹת	וּלְבִנְיָמִן	נָתַן	שְׁלֹשׁ	מֵאוֹת	כֶּסֶף	וְחָמֵשׁ
सबों-को	दिया	हर-एक-को	जोड़े	कपड़ों-के	और-बिन्यामीन-को	दिया	तीन	सौ	चाँदी	और-पाँच
H3605	H5414	H0376	H2487	H8071	H1144	H5414	H7969	H3967	H3701	H2568

חֲלִפֹּת	שְׂמָלֹת׃
जोड़े	कपड़ों-के
H2487	H8071

यूसुफ ने हर एक भाई को एक एक जोड़ा सुन्दर वस्त्र दिया। किन्तु यूसुफ ने बिन्यामीन को पाँच जोड़े सुन्दर वस्त्र दिए और यूसुफ ने बिन्यामीन को तीन सौ चाँदी के सिक्के भी दिए।

23

וּלְאָבִיו	שָׁלַח	כְּזֹאת	עֲשָׂרָה	חֲמֹרִים	נֹשְׂאִים	מִטּוּב	מִצְרַיִם	וְעֶשֶׂר	אֲתֹנֹת
और-पिता-के-लिए-अपने	भेजा	ऐसे	दस	गधे	लदे-हुए	अच्छाई-से	मिस्र-की	और-दस	गधियाँ
H0001	H7971	H2063	H6235	H2543	H5375	H2898	H4714	H6235	H0860

נֹשְׂאֹת	בֶּר	וְלֶחֶם	וּמָזוֹן	לְאָבִיו	לַדָּרֶךְ׃
लदी-हुई	अनाज	और-रोटी	और-भोजन	पिता-के-लिए-अपने	रास्ते-के-लिए
H5375		H3899	H4202	H0001	H1870

यूसुफ ने अपने पिता को भी भेंटें भेजी। उसने मिस्र से बहुत सी अच्छी चीज़ों से भरी बोरियों से लदे दस गधों को भेजा और उसने अपने पिता के लिए अन्न, रोटी और अन्य भोजन से लदी हुई दस गदहियों को उनकी वापसी यात्रा के लिए भेजा।

24

וַיְשַׁלַּח	אֶת־	אֶחָיו	וַיֵּלֶכוּ	וַיֹּאמֶר	אֲלֵהֶם	אַל־	תִּרְגְּזוּ	בַּדָּרֶךְ׃
और-भेजा	को	भाइयों-अपने	और-गए	और-कहा	उनसे	न	झगड़ो	रास्ते-में
H7971	H0853	H0251	H3212	H0559	H0413	H0408	H7264	H1870

तब यूसुफ ने अपने भाईयों को जाने के लिए कहा। जब वे जाने को हुए थे यूसुफ ने उनसे कहा, “सीधे घर जाओ और रास्ते में लड़ना नहीं।”

25

וַיַּעֲלוּ	מִמִּצְרָיִם	וַיָּבֹאוּ	אֶרֶץ	כְּנַעַן	אֶל־	יַעֲקֹב	אֲבִיהֶם׃
और-चढ़े	मिस्र-से	और-आए	देश	कनान-के	की-ओर	याकूब-के	पिता-अपने
H5927	H4714	H0935	H0776		H0413	H3290	H0001

इस प्रकार भाईयों ने मिस्र को छोड़ा और कनान देश में अपने पिता के पास गए।

26

מִצְרָיִם	אֶרֶץ	בְּכָל־	מֹשֵׁל	הוּא	וְכִי־	חַי	יוֹסֵף	עוֹד	לֵאמֹר	לוֹ	וַיַּגִּדוּ
मिस्र-के	देश	सब-पर	शासक-है	वह	और-कि	जीवित-है	यूसुफ़	अभी	कहते-हुए	उसे	और-बताया
H4714	H0776	H3605	H4910	H1931			H3130	H5750	H0559		H5046

לְבָבוֹ	כִּי	לֹא־	הֶאֱמִין	לָהֶם׃	
मन-उसका	क्योंकि	नहीं	विश्वास-किया	उनका	
		H3808	H0539		

और-शुन्न-हो-गया H6313

भाईयों ने उससे कहा, “पिताजी यूसुफ अभी जीवित है और वह पूरे मिस्र देश का प्रशासक है।” उनका पिता चकित हुआ। उसने उन पर विश्वास नहीं किया।

27

אֶת־	וַיַּרְא	אֲלֵהֶם	דִּבֶּר	אֲשֶׁר	יוֹסֵף	דִּבְרֵי	כָּל־	אֶת	אֵלָיו	וַיְדַבְּרוּ	
को	और-देखा-उसने	उनसे	कही-थीं	जो	यूसुफ़-की	बातें	सब	को	उससे	और-कहा-उन्होंने	
H0853	H7200	H0413	H1696		H3130	H1697	H3605	H0853	H0413	H1696	

אֲבִיהֶם׃	יַעֲקֹב	רוּחַ	וַתְּחִי	אֹתוֹ	לָשֵׂאת	יוֹסֵף	שָׁלַח	אֲשֶׁר־	הָעֲגָלוֹת
पिता-उनके	याकूब-की	आत्मा	और-जी-उठी	उसे	उठाने-के-लिए	यूसुफ़-ने	भेजी-थीं	जो	गाड़ियों
H0001	H3290	H7307	H2421	H0853	H5375	H3130	H7971		H5699

किन्तु यूसुफ ने जो बातें कहीं थी, भाईयों ने हर एक बात अपने पिता से कही। तब याकूब ने उन गाड़ियों को देखा जिन्हें यूसुफ ने उसे मिस्र की वापसी यात्रा के लिए भेजा था। तब याकूब भाबुक हो गया और अत्यन्त प्रसन्न हुआ।

28

אָמוּת׃	בְּטֶרֶם	וְאֶרְאֶנּוּ	אֵלְכָה	חָי	בְּנִי	יוֹסֵף	עוֹד־	רַב	יִשְׂרָאֵל	וַיֹּאמֶר
मरूँ	पहले-कि	और-देखूँगा-उसे	जाऊँगा-मैं	जीवित-है	बेटा-मेरा	यूसुफ़	अभी	बहुत-है	इस्राएल-ने	और-कहा
H4191	H2962	H7200	H3212			H3130	H5750		H3478	H0559

इस्राएल ने कहा, “अब मुझे विश्वास है कि मेरा पुत्र यूसुफ अभी जीवित है। मैं मरने से पहले उसे देखने जा रहा हूँ।”